This Question Paper consists of 35 questions and 8 printed pages.
अस्मिन् प्रश्नपत्रे 35 प्रश्नाः एवम् 8 मुद्रित पृष्ठाः सन्ति।
इस प्रश्न–पत्र में 35 प्रश्न तथा 8 मुद्रित पृष्ठ हैं।

Roll No.
अनुक्रमाङ्कः | | | | | | | | | | | |

Code No. 65/SS/A
गूढसंख्या Set
स्तवकः A

# SANSKRIT VYAKARAN
## संस्कृतव्याकरणम्
## (346)

**Day and Date of Examination :**
(परीक्षादिवसः दिनाङ्कश्च) _____

**Signature of Invigilators :** 1. _____
(निरीक्षकयोः हस्ताक्षरम्)

2. _____

---

**सामान्या निर्देशाः / सामान्य निर्देश :**

**1** अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपृष्ठे नूनं लेख्यः।

प्रश्नपत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।

**2** निरीक्ष्यताम् यत् प्रश्नपत्रस्य पृष्ठसंख्या प्रश्नानां च संख्या प्रथमपृष्ठस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा।

प्रश्नपत्र के प्रश्नों की संख्या प्रारम्भ में दी गई संख्या के समान है या नहीं, ठीक है या नहीं, यह देखने योग्य है।

**3** वस्तुनिष्ठप्रश्नानाम् (क), (ख), (ग), (घ) एषु विकल्पेषु युक्तम् उत्तरं चित्वा उत्तरपत्रे लेख्यम्।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (क), (ख), (ग), (घ) इन विकल्पों में उचित उत्तर चुनकर उत्तर–पुस्तिका में लिखिए।

4 समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि।

सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय में ही लिखें।

5 उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।

उत्तर–पुस्तिका में अपना परिचय देते हुए या निर्दिष्ट स्थान को छोड़कर और कहीं भी अपना रोल नं. न लिखें।

6 स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या **65/SS/A,** सेट- **A** नूनं लेख्या।

अपने उत्तर–पुस्तिका पर प्रश्न–पत्र की कोड संख्या **65/SS/A,** सेट- **A** लिखें।

7 समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यानि।

सभी प्रश्नों के उत्तर केवल संस्कृत भाषा में ही लिखें।

# SANSKRIT VYAKARAN
## संस्कृतव्याकरणम्
## (346)

परीक्षासमयावधिः (Time) होरात्रयम् (3 Hrs)] [पूर्णाङ्काः (Full Marks) : 100

---

निर्देशाः :

**(1)** अस्मिन् प्रश्नपत्रे **[A]** भागे **10**, **[B]** भागे **10**, **[C]** भागे **10**, **[D]** भागे **5** इति आहत्य **35** प्रश्नाः सन्ति।
इस प्रश्न–पत्र में **[A]** भाग में **10**, **[B]** भाग में **10**, **[C]** भाग में **10**, **[D]** भाग में **5** – कुल मिलाकर **35** प्रश्न हैं।

**(2)** प्रश्नस्य दक्षिणे पार्श्वे संख्यासु (अङ्काः × प्रश्नाः = पूर्णाङ्काः) इति एवम् अङ्कान् निर्दिशति।
प्रश्न के दाहिने तरफ संख्या (अङ्क × प्रश्न = पूर्णाङ्क) का निर्देश है।

**(3)** **सर्वे** प्रश्नाः **अनिवार्याः**।
**सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।

---

**[A]** दशानां युक्तं विकल्पं चिनुत। **1×10=10**
दसों के उचित विकल्प चुनिए :

**1.** प्राक्कडारात् समासः इति सूत्रमस्ति।

(क) अधिकारसूत्रम् (ख) परिभाषासूत्रम्

(ग) निषेधसूत्रम् (घ) अतिदेशसूत्रम्

प्राक्कडारात् समासः यह सूत्र है–

(क) अधिकार सूत्र (ख) परिभाषा सूत्र

(ग) निषेध सूत्र (घ) अतिदेश सूत्र

**2.** तत्पुरुषसंज्ञाविधायकं सूत्रं विद्यते।

(क) संख्यापूर्वो द्विगुः (ख) द्विगुरेकवचनम्

(ग) द्विगुश्च (घ) दिक्संख्ये संज्ञायाम्

तत्पुरुष संज्ञा विधायक सूत्र का अर्थ है –

(क) संख्यापूर्वो द्विगुः (ख) द्विगुरेकवचनम्

(ग) द्विगुश्च (घ) दिक्संख्ये संज्ञायाम्

3. स्त्रीप्रत्ययाः सन्ति।

(क) पञ्च (ख) सप्त

(ग) अष्टौ (घ) नव

स्त्री प्रत्यय हैं –

(क) पाँच (ख) सात

(ग) आठ (घ) नौ

4. अजाद्यतष्टाप् इति सूत्रस्य इदम् उदाहरणं नास्ति।

(क) खट्वा (ख) रमा

(ग) मेधा (घ) दामा

अजाद्यतष्टाप् इस सूत्र का उदाहरण नहीं है –

(क) खट्वा (ख) रमा

(ग) मेधा (घ) दामा

5. लेटः लकारस्य प्रयोगो भवति।

(क) वेदे (ख) लोके

(ग) वेदे लोके च (घ) न वेदे न लोके

लेटः लकार का प्रयोग होता है –

(क) वेद में (ख) लोक में

(ग) वेद और लोक में (घ) न वेद में न लोक में

6. लुङ्लङ्लृङ्श्वडुदात्तः इति सूत्रेण अडागमो भवति।

(क) धातोः (ख) अङ्गस्य

(ग) प्रत्ययस्य (घ) अभ्यासस्य

लुङ् लङ् लृङ् इस सूत्र में अट् का आगम होता है –

(क) धातोः (ख) अङ्गस्य

(ग) प्रत्ययस्य (घ) अभ्यास्य

7. परस्मैपदसंज्ञाविधायकं सूत्रमस्ति।

(क) लः परस्मैपदम्  (ख) शेषात्कर्तरि परस्मैपदम्

(ग) पुगन्तलधूपधस्य च  (घ) न किमपि

परस्मैपद संज्ञा विधायक सूत्र है –

(क) लः परस्मैपदम्  (ख) शेषात्कर्तरि परस्मैपदम्

(ग) पुगन्तलधूपधस्य च  (घ) न किमपि (कोई भी नहीं)

8. गमधातोः लिटि तस्प्रत्ययोगे किं रूपं भवति।

(क) जगाम  (ख) जगमतुः

(ग) जग्मतुः  (घ) जगमतः

गम् धातु में लिट् में तस् का क्या रूप होता है ?

(क) जगाम  (ख) जगमतुः

(ग) जग्मतुः  (घ) जगमतः

9. पिपठिष इत्यस्य धातुसंज्ञाविधायकं सूत्रमस्ति।

(क) भूवादयो धातवः  (ख) सनाद्यन्ता धातवः

(ग) धातोः  (घ) तत्प्रयोजको हेतुश्च

पिपठिस इसका धातु संज्ञाविधायक सूत्र है –

(क) भूवादयो धातवः  (ख) सनाद्यन्ता धातवः

(ग) धातोः  (घ) तत्प्रयोजको हेतुश्च

10. अत इञ् इति सूत्रस्य उदाहरणमस्ति।

(क) दाक्षिः  (ख) बाहविः

(ग) औडुलोमिः  (घ) गार्ग्यः

अत इञ् इस सूत्र का उदाहरण है –

(क) दाक्षिः  (ख) बाहविः

(ग) औडुलोमिः  (घ) गार्ग्यः

[B] दशानां यथानिर्देशम् उत्तराणि लघूनि लिखत। 2×10=20

दसों के यथानिर्दिष्ट लघु उत्तर लिखिए :

1. संस्कृतव्याकरणे कति वृत्तयः इति विलिख्य, तासां नामानि लिखतु। 1+1
संस्कृत व्याकरण में कितनी वृत्तियाँ होती है, लिखिए और उनके नाम भी लिखिए।

2. हरित्रातः इत्यत्र हरिशब्दस्य पूर्वनिपाताय का संज्ञा विधीयते। केन च सूत्रेण भवति। 1+1
हरित्रातः यहाँ हरि शब्द में पूर्वनिपात किस संज्ञा का होता है और किस सूत्र से होता है ?

3. ऊरीकृत्य इत्यत्र गतिसंज्ञा कस्य भवति। केन सूत्रेण च भवति। 1+1
ऊरीकृत्य यहाँ गति संज्ञा किसकी और किस सूत्र से होता है ?

4. नञ् इति सूत्रस्य अर्थम् उदाहरणं च लिखत। 1+1
नञ् इस सूत्र का उदाहरण और अर्थ लिखिए।

5. उगितश्च इति सूत्रस्य अर्थम् उदाहरणं च लिखत। 1+1
उगितश्च इस सूत्र का अर्थ और उदाहरण लिखिए।

6. सार्वधातुकसंज्ञाविधायकं सूत्रं विलिख्य, तस्य अर्थं लिखन्तु। 1+1
सार्वधातु संज्ञा विधायक सूत्र लिखिए और उसका अर्थ भी लिखिए।

7. शपः लुक्किधायकं सूत्रं विलिख्य, तस्य अर्थं लिखत। 1+1
शप् को श्लु विधायक सूत्र लिखिए और उसका अर्थ लिखिए।

8. रुणद्धि इति रूपे कः धातुः अस्ति। कश्च विकरणप्रत्ययः वर्तते। 1+1
रुणद्धि इस रूप में कौन–सी धातु है और कौन–सा विकरण प्रत्यय होता है ?

9. काषायणम् इत्यत्र कः तद्धितप्रत्ययः। तद्विधायकं सूत्रं किमस्ति। 1+1
काषायणम् यहाँ तद्धित प्रत्यय कौन–सा है ? तत् विधायक सूत्र कौन–सा है ?

10. गोता इत्यत्र तद्धितप्रत्ययः कः। तद्विधायकं सूत्रं किमस्ति। 1+1
गोता यहाँ तद्धित प्रत्यय कौन–सा है ? तत् विधायक सूत्र कौन–सा है ?

[C] दश अनतिदीर्घोत्तरैः समाधत्त । 4×10=40

दसों प्रश्नों के दीर्घ उत्तर दीजिए :

1. सह सुपा **अथवा** उपसर्जनं पूर्वम् इति सूत्रयोः एकं सोदाहरणं लिखन्तु।
सह सुपा **अथवा** उपसर्जनं पूर्वम् सूत्र का एक एक उदाहरण लिखिए।

2. कर्त्री पचन्ती इत्यनयोः एकं रूपं ससूत्रं साधयत।
कर्त्री, पचन्ती इनमें से किसी एक के रूप को सूत्र सहित सिद्ध कीजिए।

3. तटी, अतिकेशी इत्यनयोः एकं रूपं ससूत्रं साधयत।
तटी, अतिकेशी इनमें से किसी एक के रूप को सूत्र सहित सिद्ध कीजिए।

4. द्वन्द्वे धि, राजदन्तादिषु परम् इत्यनयोः सूत्रयोः एकं प्रतिपादयत।
द्वन्द्वे धि, राजदन्तादिषु परम् इनमें से किसी एक सूत्र को प्रतिपादित कीजिए।

5. भवाव इति प्रयोगं ससूत्रं साधयत।
भवाव इस प्रयोग को सूत्र सहित सिद्ध कीजिए।

6. तिङ्शित्सार्वधातुकम् इति सूत्रं व्याख्यात।
तिङ्शित्सार्वधातुकम् इस सूत्र की व्याख्या कीजिए।

7. स्वादिभ्यः श्नुः इति सूत्रं व्याख्यात।
स्वादिभ्यः श्नुः इस सूत्र की व्याख्या कीजिए।

8. विपराभ्यां जेः, अनुपराभ्यां कृञः इत्यनयोः सूत्रयोः एकं प्रतिपादयत।
विपराभ्यां जेः, अनुपराभ्यां कृञः इनमें से किसी एक सूत्र को प्रतिपादित कीजिए।

9. तस्यापत्यम् इति सूत्रं व्याख्यात।
तस्यापत्यम् इस सूत्र की व्याख्या कीजिए।

10. लोमवान् इति प्रयोगं साधयत।
लोमवान् इसके प्रयोग को सिद्ध कीजिए।

**[D]** पञ्च दीर्घोत्तरैः समाधेयाः । **6×5=30**

पाँच के दीर्घ उत्तर दीजिए :

**1.** लः कर्मणि च भावे चाकर्मकेभ्यः इति सूत्रं प्रतिपादयन्तु।
लः कर्मणि च भावे चाकर्मकेभ्यः इस सूत्र को प्रतिपादित कीजिए।

**2.** वयसि प्रथमे इति सूत्रं सोदाहरणं वर्णयन्तु।
वयसि प्रथमे इस सूत्र का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

**3.** बभूवुः इति रूपं ससूत्रं साधयत।
बभूवुः इस रूप को सूत्र सहित सिद्ध कीजिए।

**4.** अभवन् इति रूपं ससूत्रं साध्यम्।
अभवन् इस रूप को सूत्र सहित सिद्ध कीजिए।

**5.** हेतुमति च इति सूत्रं व्याख्यात।
हेतुमति च इस सूत्र की व्याख्या कीजिए।